REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 15 | ISSUE - 3 | DECEMBER - 2025

लाडली लक्ष्मी योजना का बेटियों की शिक्षा और सामाजिक स्थिति पर प्रभाव : रीवा जिले के विशेष संदर्भ में

अन्नपूर्णा मिश्रा
शोधार्थी समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

डॉ. रचना श्रीवास्तव
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांश –

लाडली लक्ष्मी योजना भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है। यह योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है और उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है। रीवा जिले में इस योजना के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए 200 परिवारों के बीच सर्वेक्षण और साक्षात्कार आयोजित किए गए। अध्ययन से यह पता चला कि योजना ने बालिकाओं की शिक्षा में सकारात्मक प्रभाव डाला है, विद्यालय में नामांकन और नियमित उपस्थिति में वृद्धि हुई है और सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव आया है। हालांकि, योजना के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियाँ और जागरूकता की कमी भी पाई गई।

मुख्य शब्द – लाडली लक्ष्मी योजना, बालिका शिक्षा, सामाजिक स्थिति एवं सशक्तिकरण।

प्रस्तावना –

भारत में महिलाओं और बालिकाओं की सामाजिक स्थिति दशकों से एक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दा रही है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखा जाए तो भारतीय समाज में बेटियों को पारंपरिक दृष्टिकोण से अक्सर संकुचित भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में बालिकाओं और महिलाओं को पुरुषों के तुलनात्मक दृष्टिकोण से कई अवसरों में सीमित रहने का सामना करना पड़ा है। इस सामाजिक असमानता के परिणामस्वरूप बालिकाओं की स्वायत्तता, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी भूमिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

शिक्षा किसी भी समाज के सशक्तिकरण और विकास की नींव होती है। बालिकाओं की शिक्षा न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता और आत्मनिर्भरता को बढ़ाती है, बल्कि यह उनके परिवार और समाज के विकास में भी योगदान देती है। अनुसंधानों से यह स्पष्ट हुआ है कि शिक्षित बालिकाएँ अपने परिवार और समाज में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाती हैं और बाल विवाह जैसी प्रथाओं के खिलाफ खुद और दूसरों को सशक्त बनाती हैं। इसके बावजूद, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा और सामाजिक स्थिति में अनेक बाधाएँ हैं, जिनमें आर्थिक तंगी, सामाजिक रूढ़िवादिता, लड़कियों की प्राथमिकता में कमी और शिक्षा के प्रति पारिवारिक जागरूकता की कमी प्रमुख हैं।

इसी संदर्भ में, भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ने लाडली लक्ष्मी योजना की शुरुआत की। यह योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने, उनकी शिक्षा को सुनिश्चित करने और उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में मदद करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना के तहत बालिकाओं के नामांकन से लेकर उनकी स्कूल में उपस्थिति, स्वास्थ्य जांच और किशोरावस्था में वित्तीय सहायता तक कई पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। योजना का यह समग्र दृष्टिकोण न केवल बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करता है, बल्कि उनके जीवन के विभिन्न चरणों में उन्हें सुरक्षित और समर्थ बनाने में भी सहायक है।

रीवा जिला, मध्य प्रदेश, एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ ग्रामीण और शहरी समाज में सामाजिक एवं आर्थिक असमानताएँ स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत विचारधारा और सामाजिक संरचनाएँ बालिकाओं की शिक्षा और सामाजिक सहभागिता में बाधक बनती हैं। वहीं, शहरी क्षेत्रों में शिक्षा और अवसरों के दृष्टिकोण से स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, परन्तु सामाजिक रूढ़िवादिता और लैंगिक असमानताएँ अभी भी मौजूद हैं। इसलिए, रीवा जिले के परिप्रेक्ष्य में लाडली लक्ष्मी योजना के प्रभाव का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन के माध्यम से यह समझा जा सकता है कि योजना ने किस हद तक बालिकाओं की शिक्षा में सुधार किया, उनके सामाजिक अधिकारों और सहभागिता में वृद्धि की और समाज में उनके प्रति दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित किया।

इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन का उद्देश्य नीति निर्माताओं और सरकारी अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन में सुधार की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना भी है। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्र में योजना के प्रति जागरूकता कम है या आर्थिक सहायता समय पर नहीं पहुँच रही है, तो इसे सुधारने के लिए विशेष प्रयास किए जा सकते हैं। इस प्रकार, यह अध्ययन न केवल योजना के सकारात्मक प्रभावों को उजागर करता है, बल्कि उसकी सीमाओं और चुनौतियों की पहचान कर इसके सुधार की दिशा भी सुझाता है।

अतः यह शोध पत्र रीवा जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों ही संदर्भों में लाडली लक्ष्मी योजना का बालिकाओं की शिक्षा और सामाजिक स्थिति पर प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन यह स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि कैसे एक सरकारी पहल बालिकाओं के जीवन में बदलाव ला सकती है और उनके सशक्तिकरण में योगदान दे सकती है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि सामाजिक परिवर्तन के लिए केवल योजना ही पर्याप्त नहीं है, इसके लिए सामुदायिक जागरूकता, परिवार का सहयोग और सरकार की समयबद्ध नीति कार्यान्वयन की आवश्यकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विश्लेषण –

1. शिक्षा पर प्रभाव – लाडली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बालिकाओं के शिक्षा में निरंतर सुधार देखा गया है। योजना के तहत परिवारों को वित्तीय सहायता मिलने से बालिकाओं का स्कूल नामांकन बढ़ा है। रीवा जिले में 2023–24 के शैक्षणिक वर्ष का सर्वेक्षण दर्शाता है कि योजना के लाभार्थी परिवारों में बालिकाओं का स्कूल में नामांकन लगभग 92 प्रतिशत तक पहुँचा, जबकि गैर–लाभार्थी परिवारों में यह मात्र 74 प्रतिशत था। विद्यालय में उपस्थिति भी योजना से प्रभावित हुई। नियमित उपस्थिति दर में 15–20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसका कारण है कि परिवार अब आर्थिक दृष्टि से बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए अधिक सक्षम हैं और स्कूल जाने को प्राथमिकता देने लगे हैं। इसके साथ ही बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि भी बेहतर हुई है, उनकी परीक्षा

परिणामों में पिछले वर्षों की तुलना में सुधार देखा गया। बालिकाओं की उच्च शिक्षा में भी योजना का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ा है, जिससे लड़कियों के लिए आगे की पढ़ाई और कैरियर के अवसर खुल रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह सुधार महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहले आर्थिक तंगी और पारिवारिक दबाव के कारण बालिकाओं को विद्यालय छोड़ना पड़ता था।

2. सामाजिक स्थिति पर प्रभाव – लाडली लक्ष्मी योजना ने बालिकाओं की सामाजिक स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है। सर्वेक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि योजना से परिवारों और समुदाय में बालिकाओं के प्रति दृष्टिकोण बदल रहा है।

- **आत्मविश्वास में वृद्धि** – योजना के तहत बालिकाओं को वित्तीय सहायता मिलने और स्कूल जाने का अवसर मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। वे अब सार्वजनिक कार्यक्रमों, खेलकूद और सामुदायिक गतिविधियों में अधिक भाग ले रही हैं।
- **निर्णय लेने में भागीदारी** – बालिकाएँ परिवार के निर्णय, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और विवाह से संबंधित मामलों में सक्रिय रूप से शामिल होने लगी हैं।
- **बाल विवाह में कमी** – योजना के तहत किशोरियों के विवाह की उम्र बढ़ी है। लाभार्थी परिवार अब बालिकाओं के विवाह में देरी कर रहे हैं, जिससे उनके शैक्षणिक अवसर बढ़े हैं।

3. आर्थिक एवं वित्तीय प्रभाव – लाडली लक्ष्मी योजना का वित्तीय पहलू भी महत्वपूर्ण है। योजना के तहत परिवारों को बालिकाओं के जन्म और शिक्षा के विभिन्न चरणों में वित्तीय सहायता मिलती है। इस सहायता का उपयोग बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य जांच और पोषण पर होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ आर्थिक स्थिति कमजोर है, योजना ने शिक्षा में बाधाओं को कम किया। परिवार अब बालिकाओं की पढ़ाई के लिए स्कूल में फीस, यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी खरीदने में सक्षम हुए। योजना ने सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता की भावना को भी बढ़ावा दिया।

4. चुनौतियाँ और सीमाएँ – यद्यपि योजना के सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हैं, इसके क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियाँ और सीमाएँ भी मौजूद हैं–

- **जागरूकता की कमी** – कई ग्रामीण परिवार योजना के बारे में पूरी तरह से जागरूक नहीं हैं। उन्हें आवेदन प्रक्रिया और लाभ की जानकारी नहीं है।
- **वितरण में विलंब** – वित्तीय सहायता का वितरण समय पर नहीं होने के कारण योजना का प्रभाव कुछ क्षेत्रों में कम हुआ।
- **सामाजिक और पारिवारिक बाधाएँ** – ग्रामीण समाज में लड़कियों की शिक्षा और स्वतंत्रता पर कुछ पारंपरिक दृष्टिकोण अभी भी प्रभाव डाल रहे हैं।
- **निगरानी की कमी** – लाभार्थियों की निगरानी और योजना के प्रभाव का आंकलन नियमित रूप से नहीं हो पा रहा है।

5. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तुलनात्मक अध्ययन –

- **ग्रामीण क्षेत्र** – ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के प्रभाव अधिक स्पष्ट हैं। आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों में योजना ने बालिकाओं के शिक्षा और सामाजिक स्थिति में सुधार किया। हालांकि, जागरूकता और पारिवारिक सहयोग में कमी अभी भी एक चुनौती है।

- **शहरी क्षेत्र** – शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के अवसर अधिक हैं, इसलिए योजना का शैक्षिक प्रभाव तुलनात्मक रूप से कम है। लेकिन सामाजिक दृष्टिकोण में सुधार और बालिकाओं की भागीदारी में वृद्धि देखी गई।

इस तुलनात्मक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि योजना का समग्र प्रभाव सकारात्मक है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता और भी अधिक है।

6. योजना के प्रभाव का सार – बालिकाओं का नामांकन और नियमित उपस्थिति बढ़ी। शैक्षणिक उपलब्धियाँ सुधार हुईं। परिवार और समाज में बालिकाओं के प्रतिदृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आया। बालिकाओं की आत्मनिर्भरता, सामाजिक सहभागिता और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हुई। योजना ने आर्थिक सहायता के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बाधाओं को कम किया।

निष्कर्ष –

लाडली लक्ष्मी योजना ने रीवा जिले में बालिकाओं की शिक्षा और सामाजिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाया है, जिससे उनकी आत्मनिर्भरता, सामाजिक सहभागिता और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हुई है। हालांकि, योजना की पूरी सफलता सुनिश्चित करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम आवश्यक हैं, जैसे ग्रामीण और कमजोर परिवारों में योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना, वित्तीय सहायता का समय पर वितरण सुनिश्चित करना, सामाजिक रूढ़िवादिता और पारिवारिक बाधाओं को कम करना और लाभार्थियों की नियमित निगरानी तथा योजना के प्रभाव का सतत आंकलन करना। इन उपायों के माध्यम से न केवल योजना का प्रभाव और व्यापक होगा, बल्कि बालिकाओं के सशक्तिकरण और समाज में उनके योगदान को भी स्थायी रूप से बढ़ावा मिलेगा।

संदर्भ –

1. लाडली लक्ष्मी योजना : दिशा–निर्देश और लाभार्थी मार्गदर्शिका, महिला एवं बाल विकास विभाग, भोपाल, वर्ष 2022, पृष्ठ 15–28
2. रीवा जिले में लाडली लक्ष्मी योजना के प्रभाव का सर्वेक्षण, जिला शिक्षा कार्यालय, रीवा, वर्ष 2024, पृष्ठ 34–47
3. लाडली लक्ष्मी योजना : दिशा–निर्देश और कार्यान्वयन, भारत सरकार प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2021, पृष्ठ 7–12
4. डॉ. आर. के. शर्मा – बालिकाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका, मध्यप्रदेश बाल विकास केंद्र, भोपाल, वर्ष 2020, पृष्ठ 55–63